www.Instarnews.com

एल एन स्टार

खबर जो असर करे

LNCT समूह का प्रकाशन

भोपाल, इंदौर से एक साथ प्रकाशित

संस्थापक : स्व. सुरेश कुमार चौकसे | वर्ष 3, अंक 175 | भोपाल, शुक्रवार 13 अक्टूबर 2017 | मूल्य 3 ₹ पृष्ठ 12 | आर.एन.आई. रजि. क्रमांक MPHIN/2015/64419

केवल हिंदुत्व में ही हस्तक्षेप न्यायालय श्रीमान का!! संवाद 4

First कॉलम

■ प्रकाश भटनागर

...वरना आप ही हो जाएं दु:खी

एक पुरानी तस्वीर निकाल लीजिए। वह 16 मई, 2008 से पहले की होनी चाहिए। उसका मिलना मुश्किल नहीं है। क्योंकि वह तस्वीर आरुषि तलवार, राजेश और नुपुर तलवार की है। नौ साल से इस परिवार को लेकर मीडिया रह-रहकर सक्रिय रहा। इससे साफ है कि इस परिवार की पुरानी तस्वीर कहीं न कहीं दर्ज की गई होगी। उस तस्वीर में से आरुषि का चेहरा हटा दीजिए। सिर्फ उसके पिता राजेश को देखिए। देखिए उसकी मां नुपुर को। दोनों खिलखिलाते हुए दिखेंगे। ऊर्जा से लबरेज। शांति से पूर्ण। दिल्ली की आपाधापी से भरी जिंदगी के बीच इकलौती बेटी के सुख का पूर्ण आनंद उठाते हुए। इसी तस्वीर को लेकर कल टीवी चैनल के सामने बैठिए। आपको उस पर गाजियाबाद की डासना जेल से निकलते राजेश और नुपुर नजर आएंगे। तुलना कीजिए कि मई के 2008 के पहले की तस्वीर का 13 अक्टूबर, 2017 की तस्वीर से किस कदर भयावह अंतर है। यह अंतर प्रकृति ने नहीं पैदा किया। इसे पैदा किया गया। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानि सीबीआई द्वारा। आरुषि हत्याकांड की जांच करने वाले उस एक-एक शख्स द्वारा जो शुरू से ही राजेश तथा नुपुर को दोषी मानकर चल रहा था। यह फर्क पनपाया है न्याय व्यवस्था के उन अनंत सुराखों ने भी, जिनके जरिए बीते नौ साल से राजेश तथा नुपुर की बेगुनाही के तमाम तथ्य रिसते चले गए।

आरुषि के माता-पिता को इलाहाबाद की उच्च न्यायालय ने इस सनसनीखेज हत्या के आरोप से बरी कर दिया है। उन्हें संदेह का लाभ दिया गया। क्योंकि सीबीआई अपने लचर सबूतों के चलते इस अदालत के सामने यह साबित ही नहीं कर सकी कि दरअसल तलवार दंपति ने ही बेटी और नौकर हेमराज का कत्ल किया था। देश की शीर्ष जांच संस्था के गाल पर उच्च न्यायालय से तमाचा पड़ा। कोर्ट ने साफ कहा कि सीबीआई की विवेचना तथा सबूतों से वह संतुष्ट नहीं है। यह असंतुष्टि इस स्तर की थी कि सीबीआई कल तक ताल ठोंककर जिस दंपति को दोषी कह रही थी, उनकी जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

लेकिन यह गलतफहमी कतई मत पालिए कि यह तलवार दंपति के बुरे दिनों के अंत की शुरुआत है। यह उनके अमंगल की कामना नहीं है। लेकिन सच तो यह है कि इस दंपति के अच्छे दिन अनंतकाल के लिए कहीं जा चुके हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश उन्हें जेल की चारदीवारी से बाहर ले आएगा, लेकिन क्या यह उनके वह दिन वापस ला सकता है, जो वह सभ्य समाज के बीच किसी सभ्य चेहरे के तौर पर बिता रहे थे? कल्पना कीजिए उन माता-पिता की, जो अपनी बेटी की निर्मम हत्या पर ठीक से विलाप भी नहीं कर पाए और उससे पहले ही शक, आरोप और किसी षड़यंत्र की तरह प्रतीत होती विवेचना के शिकार हो गए। सीबीआई ने तलवार दंपति को न्याय दिलाना तो दूर, ठीक से शोकाकुल माता-पिता होने का अवसर तक नहीं दिया। उन्हें आरोपी बनाया। दोषी साबित किया। जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया। नौ साल तक खुद को बेगुनाह बताते-बताते राजेश और नुपूर का जीवन अब शायद ही कभी सामान्य हो सके। हां, सीबीआई के लिए सब कुछ सामान्य ही रहेगा। 16 मई, 2008 से पहले और 12 अक्टूबर, 2017 के बाद की तरह तक ही। संभव है कि राजेश तथा नुपुर को जीवन के सबसे बुरे दिन देने वाले सीबीआई के किसी जिम्मेदार से आपका पाला पड़ जाए। राजेश और नुपुर की नौ साल से पहले वाली और जेल से बाहर निकलते समय की तस्वीर उसे जरूर दिखाइए। यदि उन्हें देखकर उसके चेहरे पर किंचित मात्र भी दुःख दिखे तो ठीक है, वरना तलवार के हालात पर कम से कम आप खुद ही दुःख प्रकट कर यह साबित कर दीजिएगा कि कहीं न कहीं इंसान अभी जिंदा है।

गुम फोन का इस्तेमाल कर की गई शरारत

झेलम एक्सप्रेस में बम की अफवाह

डेस्क/एजेंसी। विदिशा

पुणे से जम्मूतवी जा रही झेलम एक्सप्रेस में बम की अफवाह के कारण मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के गंज बासौदा में ट्रेन को खाली करा कर साढ़े पांच घंटे तक तलाशी ली गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार आज सुबह 11 बजे झांसी के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में किसी ने फोन कर सूचना दी कि झेलम एक्सप्रेस में बम रखा है। सूचना मिलते ही गंज बासौदा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोक कर खाली कराया गया। स्थानीय पुलिस बल, रेलवे पुलिस बल, शासकीय रेलवे पुलिस के साथ ही विदिशा और बीना से बुलाये विशेष जांच दल, डॉग स्क्वॉड ने मिलकर ट्रेन की तलाशी शुरू की। मौके पर विदिशा के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर भी पहुंच गए थे। विदिशा के पुलिस अधीक्षक विनीत कपूर ने बताया कि 12 बजे से शुरू हुई सर्चिंग शाम लगभग साढ़े पांच बजे तक चली। जांच में कुछ नहीं मिला। उन्होंने बताया जांच में पाया गया कि ललितपुर निवासी दुर्जन सिंह का मोबाइल फोन 10 दिन पूर्व गुम हो गया था। उसी फोन से अज्ञात व्यक्ति ने ट्रेन में बम होने की सूचना दी थी। मोबाइल नम्बर धारक दुर्जन सिंह को गिरफ्तार कर बीना पुलिस पूछताछ कर रही है।

हिमाचल प्रदेश का चुनाव घोषित, 136 केंद्रों की कमान केवल महिलाओं को

हर बूथ पर ईवीएम के साथ वीवीपैट

डेस्क/एजेंसी। नई दिल्ली। खूबसूरत वादियों वाले हिमाचल प्रदेश में चुनावी हलचल गुरुवार से तेज हो गई। देश के चुनाव आयोग ने यहां विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। हालांकि आयोग ने फिलहाल गुजरात के लिए चुनाव कार्यक्रम का ऐलान नहीं किया है। इसके साथ ही हिमाचल में आचार संहिता लागू हो गई है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा की सभी 68 सीटों के लिए चुनाव एक चरण में 9 नवम्बर को होगा और मतगणना 18 दिसम्बर को होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोति ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 16 अक्टूबर को जारी की जायेगी। उम्मीदवार 23 अक्टूबर तक नामांकर पत्र दायर कर सकेंगे और 24 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी तथा 26 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 7521 मतदान केन्द्र बनाये जायेंगे और सभी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल किया जायेगा, जिससे मतदाता यह देख सकेगा कि उसने जिस उम्मीदवार के नाम का बटन दबाया है वोट उसी को मिला है। उन्होंने कहा कि सभी 68 सीटों पर एक-एक मतदान केन्द्र के वीवीपैट से निकलने वाली पर्चियों की भी गिनती की जायेगी और उसका मिलान उस मतदान केन्द्र पर पड़े वोटों से किया जायेगा। जोति ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में तत्काल प्रभाव से आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किये गये हैं और राज्य पुलिस के साथ साथ अर्द्धसैनिक बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की जायेगी। उन्होंने कहा कि 136 मतदान केन्द्रों पर केवल महिला चुनावकर्मी ही तैनात होंगी। आयोग ने आज गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया लेकिन कहा कि वहां 18 दिसम्बर से पहले चुनाव कराये जायेंगे, जिससे कि दोनों राज्या में चुनाव की गिनती एक साथ हो सके। हम बता दें कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस प्रदेश में वर्तमान मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ही पार्टी के लिए सीएम पद के प्रत्याशी होंगे। हाल ही में गांधी के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस प्रदेश में आमसभा लेकर चुनावी तैयारियों का शंखनाद कर चुके हैं। भाजपा ने फिलहाल यहां किसी चेहरे को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश नहीं किया है।

कोर्ट ने कहा– तलवार दंपति ने नहीं मारा बेटी आरुषि को, सीबीआई जांच पर सवाल

आरोपी बरी, सच अब भी 'कैद'

डेस्क। इलाहाबाद

एक अहम फैसले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरुषि तलवार हत्याकांड में मृतका के पिता राजेश तलवार तथा मां नुपुर को हत्या का दोषी मानने से इनकार करते हुए बरी कर दिया है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि फिर आरुषि की हत्या किसने की थी?

अदालत का यह फैसला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। उसने ही आरुषि तथा उसके घर के नौकर हेमराज की हत्या की जांच की थी। इसके बाद उसने राजेश एवं नुपुर को हत्या का दोषी बताया था। सीबीआई की ही एक अदालत ने नुपुर दंपति को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ तलवार दंपति ने हाईकोर्ट की शरण ली।

इसके साथ ही सारे देश को हिला देने वाले इस कांड को लेकर रहस्य गहरा गया है। सीबीआई की दलील थी कि तलवार दंपति ने आरुषि तथा हेमराज को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके चलते उनका कत्ल कर दिया गया। आरुषि का शव उसके बेडरूम में मिला था। जबकि हेमराज की लाश बिल्डिंग की छत पर पाई गई थी। कहा जाता है कि बेसबॉल के बेट से मार-मारकर उसकी जान ली गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए तलवार दंपति को बरी करने का आदेश दिया। उसने सीबीआई द्वारा प्रस्तुत किए गए सबूतों को पर्याप्त नहीं माना। तलवार दंपति को शुक्रवार को जेल से रिहा कर दिया जाएगा। फिलहाल यह पता नहीं चला है कि इस निर्णय के खिलाफ सीबीआई सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी या नहीं।

हम बता दें कि प्रसिद्ध फिल्मकार एवं गीतकार गुलजार की बेटी ने इस सनसनीखेज हत्याकांड पर 'द तलवार्स' नामक फिल्म बनाई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसे खास सफलता नहीं मिली, लेकिन समीक्षकों ने इसे खूब सराहा था। फिल्म में प्रकारांतर से सीबीआई की जांच एवं निष्कर्षों पर सवाल उठाए गए थे। कोर्ट के फैसले के बाद मेघना ने कहा, 'हमने फिल्म में सच्चाई दिखाने की कोशिश की थी।'

तलवार दंपति सजा सुनाए जाने के बाद से गाजियाबाद की डासना जेल में बंद हैं। वहां के जेलर ने एक न्यूज चैनल को बताया कि अदालत के फैसले के बाद आरोपियों ने कहा है कि अंततः सच की जीत हो गई है।

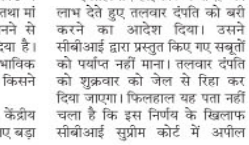

16 मई, 2008 को आरुषि को उसके बेडरूम में मृत पाया गया था। उसका गला रेतकर हत्या की गई थी। शुरुआत में घरेलू नौकर 45 वर्षीय हेमराज पर ही आरुषि के मर्डर का शक था, लेकिन अगले ही दिन जलवायु विहार के उसी मकान की छत पर हेमराज का भी शव मिला। इसके बाद पुलिस की जांच की सुई आरुषि के माता-पिता तलवार दंपती पर ही घूम गई। पुलिस ने कहा था कि आरुषि और हेमराज को आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने के बाद पिता राजेश तलवार ने ही दोनों की हत्या कर दी थी।

बिना किसी फॉरेंसिक जांच और मैटीरियल एविडेंस के इस तरह के आरोप लगाए जाने से गुस्साए तलवार दंपति ने पुलिस पर जांच को भटकाने का आरोप लगाया था। आरुषि की हत्या के एक सप्ताह बाद ही राजेश तलवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। जमानत पर रिहा होने से पहले वह 60 दिनों तक जेल में रहे थे।

ऐसा रहा हाल

फैसला आने से पहले तलवार दंपती काफी परेशान थे। जेल में बंद राजेश और नूपुर तलवार को रात में नींद नहीं आई। दोनों ने सुबह का नाश्ता भी नहीं किया। बताया जा रहा है कि सुबह हेल्थ चेकअप के दौरान उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ था। तलवार दंपती ने डासना जेल से ही टीवी के जरिए फैसला सुना। जेल सूत्रों के मुताबिक आम दिनों की तुलना में नुपूर ने दूसरे कैदियों से बातचीत नहीं की और गुमसुम बैठी रहीं।

यह भी खास

अपनी बेटी आरुषि की हत्या के आरोपी तलवार दंपति ने उम्रकैद की सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की थी। गौरतलब है कि करीब 9 साल पहले नोएडा के सेक्टर-25 स्थित जलवायु विहार में हुई इस मर्डर मिस्ट्री की पुलिस के बाद सीबीआई की दो टीमों ने जांच की थी। 16 मई, 2008 को आरुषि को उसके बेडरूम में मृत पाया गया था। उसकी गला रेतकर हत्या की गई थी। शुरुआत में घरेलू नौकर 45 वर्षीय हेमराज पर ही आरुषि के मर्डर का शक था, लेकिन अगले ही दिन जलवायु विहार के उसी मकान की छत पर हेमराज का भी शव मिला।

निकाय चुनाव में 81 में से 71 सीटों पर फतह

महाराष्ट्र में कांग्रेस की भारी जीत

डेस्क/एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के नांदेड-वाघाला नगर पालिका के चुनाव में कांग्रेस ने बाजी मारते हुए 81 वार्डों में से 71 वार्डों पर जीत दर्ज की है। आज हुई मतगणना में कांग्रेस ने 71, भारतीय जनता पार्टी ने छह और शिव सेना ने एक वार्ड पर जीत दर्ज की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) खाता खोलने में नाकाम रहीं। एक वार्ड पर निर्दलीय ने जीत दर्ज की। दो वार्ड का परिणाम आना अभी बाकी है। इस चुनाव में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई थी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन किया है। कांग्रेस की यह जीत लोगों को समर्पित है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और कांग्रेस की ओर से चव्हाण और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भी यहां प्रचार किया। वर्ष 2012 में हुए मतदान में कांग्रेस ने 81 वार्ड में से 41 पर कब्जा किया था,

जबकि 12 वार्ड पर जीतकर शिवसेना दूसरे स्थान पर रही थी। एआईएमआईएम तीसरे नंबर थी जिसने 11 वार्ड में जीत दर्ज की थी। भाजपा महज दो वार्ड में जीतने में कामयाब रही थी। इधर, भांडुप से भाजपा उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के उम्मीदवार को 4,792 वोटों से हराकर बीएमसी उपचुनाव में जीत दर्ज कर ली। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि वार्ड नंबर 116 में भाजपा उम्मीदवार जागृति पटेल को 11,129 वोट मिले, जबकि शिवसेना उम्मीदवार मीनाक्षी पाटिल सिर्फ 6, 337 वोट ही हासिल कर पाईं। अब 227 सदस्यीय बीएमसी में भाजपा सीटों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है, जबकि शिवसेना अब भी 84 पर है।

हाल के दिनों में महाराष्ट्र में शिवसेना के लिए यह एक और शर्मनाक स्थिति है। वह प्रदेश की देवेंद्र फड़णवीस सरकार में गठबंधन सहयोगी है। भाजपा से मतभेदों के चलते शिवसेना ने बीते दिनों फड़णवीस से समर्थन वापस लेने की पूरी तैयारी कर ली थी। हालांकि उसका यह दांव बेकार गया। क्योंकि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को इस बात के पुख्ता संकेत मिल गए थे कि समर्थन वापस लेने पर पार्टी के कम से कम 20 विधायक भाजपा में जा सकते हैं। इसके चलते शिवसेना को यू-टर्न लेते हुए कहना पड़ गया था कि महाराष्ट्र के हित के लिए वह सरकार को समर्थन देना जारी रखेगी।

सियासत

गुजरात में उमा का सवाल– किसने भड़काया था गोडसे को

'गांधी की हत्या से सिर्फ कांग्रेस को लाभ'

डेस्क/एजेंसी। पालनपुर (गुजरात)

केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा की फायरब्रांड महिला नेता उमा भारती ने आज एक और विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि महात्मा गांधी की हत्या से सिर्फ कांग्रेस को लाभ हुआ था और यह विचारणीय है कि गोडसे को उनके खिलाफ और उनकी हत्या के लिए किसने उकसाया था।

उन्होंने यह भी कहा कि नाथूराम गोडसे ने गांधी जी की हत्या क्यों की यह आज तक स्पष्ट नहीं है और उसे उनके खिलाफ करने तथा उकसाने का काम काम वही कर सकता था जिसे गांधी जी के जीने से नुकसान अथवा खतरा हो और ऐसा कांग्रेस के साथ ही था।

सुश्री भारती ने गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान यहां पत्रकारों से कहा कि गांधीजी की हत्या से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को हुआ क्योंकि इसका पथ प्रदर्शक खो गया। दूसर नंबर पर

संघ (आरएसएस) और जनसंघ (भाजपा का पूर्ववर्ती संगठन) को नुकसान हुआ क्योंकि इन पर प्रतिबंध और आरोप लगे और आज तक आरोप लगते हैं। कांग्रेस ने तो कोर्ट से बरी होने के बावजूद हम पर आरोप लगाना नहीं छोड़ा।

उन्होंने कहा, गांधी जी की हत्या से सिर्फ कांग्रेस को ही लाभ हुआ क्योंकि तब गांधीजी का कांग्रेस से मोहभंग हो चुका था और वह सार्वजनिक रूप से इसको विसर्जित करने की चर्चा कर रहे थे और किसी भी समय इसकी घोषणा कर सकते थे। इसलिए उनकी हत्या से किसी को जीवन मिला, लाभ मिला तो वह सिर्फ कांग्रेस है। गांधी जी कुछ दिन और रह गये होते तो कांग्रेस को खत्म कर दिया होता और नये राजनैतिक तंत्र का माहौल बना दिया होता। इसलिए यह तो आज भी विचार का विषय है कि गोडसे को उनके खिलाफ किसने भड़काया। क्योंकि गांधी जी की हत्या की बात वहीं सोच सकता था जिसे उनके जीने से खतरा हो और ऐसा कांग्रेस के साथ था। सुश्री भारती ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद से गांधी जी विचारधारा को फिर से स्थापित का प्रयास हो रहा है।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने यह भी कहा कि मोदी ने देश में सेकुलरिज्म यानि धर्म निरपेक्षता को नया अर्थ दिया है। नेहरू जी के समय से इसका एक ही अर्थ निकाला जाता था जिसे वामपंथियों ने भी बढ़ावा दिया और वह था हिन्दुओं से नफरत। अब श्री मोदी ने सभी धर्मों के आदर के तौर पर इसे नया अर्थ दिया है और इसी के चलते अब कांग्रेस (इसके उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष संकेत करते हुए) को भी मंदिरों के के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

गुजरात चुनाव की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अमित शाह जी ने भाजपा को 150 सीटें मिलने की बात कही हैं पर उन्हें तो 160 से भी ज्यादा (कुल 182 में) सीटें मिलती दिख रही हैं। उमा ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'गुजरात चुनाव में कांग्रेस की हालत कटी पतंग जैसी हो जायेगी।'

एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह राहुल गांधी के किसी बयान के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहतीं क्योंकि उनके नेतृत्व में कांग्रेस की बदहाली ही बहुत कुछ कह दे रही है। मीडिया ने उमा से गांधी के उस बयान पर टिप्पणी मांगी थी, जिसमें उन्होंने आरएसएस में महिलाओं के न होने को भाजपा के महिला सशक्तिकरण का सच बताया था।

हरमिंदर साहेब में मारपीट से तनाव

अमृतसर। अमृतसर के पवित्र हरमंदिर साहेब के दरबार साहेब में गुरूवार को दो गुटों के बीच संघर्ष के बाद तनाव व्याप्त हो गया। सरबत खालसा द्वारा नियुक्त श्री अकाल तख्त साहब के जत्थेदारों के सामने पेशी के लिए आए गुरुद्वारा छोटा घल्लुघारा के जत्थेदार मास्टर जौहर सिंह को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के कार्य बल ने बलपूर्वक बाहर निकाल दिया। कार्यबल की इस कार्रवाई से गलियारे में जम कर धक्का मुक्की हुई। मास्टर जौहर सिंह जब जत्थेदारों के सामने पेश होने के लिए श्री दरबार साहेब के प्रांगण में पहुंचे, तो उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर संघर्ष हुआ, लेकिन किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कार्यबल का कहना था कि सरबत खालसा द्वारा नियुक्त किए गए जत्थेदार अधिकारिक नहीं हैं इसलिए मास्टर जौहर सिंह को उनके सामने पेश नहीं होना चाहिए। इस बीच एजीपीसी के सचिव स्वरूप सिंह ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति या दल को श्री दरबार साहब का माहौल खराब करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि मास्टर जौहर सिंह को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के कार्यबल ने बलपूर्वक बाहर निकाल दिया। सुरक्षा की दृष्टि से ही यह कार्रवाई की गयी है। धक्का-मुक्की के दौरान दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

देश-विदेश 10 हार्दिक: दुम निकली, फंसा हुआ है हाथी अब भी

न्यूजफ्लैश ...लेकिन पहले आरोप साबित करें 3

केरल की जनरक्षा की आवाज एमपी में भी विविध 12